वृन्दावन शोध संस्थान, वृन्दावन

युग युगीन श्रीकृष्ण: व्याप्ति और सन्दर्भ

अवधि 5 वर्ष

परिचय-

''युग-युगीन श्रीकृष्ण: व्याप्ति और सन्दर्भ'' शोध परियोजना का उद्देश्य श्री कृष्ण संस्कृति से अभिप्रेत श्रृंखलाबद्ध सांस्कृतिक यात्रा का खोजपरक अभिलेखन करते हुए , इसकी व्याप्ति के विराट फलक से जुड़े विवरणों को एक पटल पर साझा करना है। इस हेतु विभिन्न कालावधियों में पौराणिक, लोक परम्परा , ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं सां स्कृतिक आदि पक्षों से जुड़े विविधतापरक अध्ययन का क्रमबद्ध सर्वेक्षण करते हुए विषय सम्मत सन्दर्भों का समुचित संयोजन भी इस परियोजना के प्रमुख उद्देश्यों में सम्मिलित है।

प्रस्तुत परियोजना को संलग्न विवरण के अनुसार 5 वर्षों में क्रमशः विभिन्न कालक्रमों में रचित साहित्य में श्री कृष्ण, विभिन्न कलाओं एवं लोक सं स्कृति में श्री कृष्ण, उत्सव त्यौहार एवं मेलों आदि की परम्परा में श्री कृष्ण, विभिन्न धर्मावलम्बियों से अभिप्रेत श्रीकृष्ण संदर्भ , श्रीकृष्ण विषयक न्य विविध सन्दर्भ आदि चरणों में पूर्ण कर प्रतिवर्ष एक प्रकाशन सम्पन्न किया जाना प्रस्तावित है।

कृष्ण सं स्कृति भारतवर्ष की ऐसी निधि है , जिसके बिना यहां के सां स्कृतिक वर्चस्व की परिकल्पना व्यर्थ है। यह धरोहर ही हमारे इस देश की प्राण वायु है। कृष्ण संस्कृति के स्पन्दन से ही भारतवर्ष की सां स्कृतिक भावभूमि तरंगित हो उठती है। वास्तव में कृष्ण वह बीज है , जिसके प्रस्फुटन से विकसित इस देश की सं स्कृति का वट वृक्ष आज अपनी अनेकानेक शाखा-प्रशाखा ओं के माध्यम से हमें विश्व में आदर्श , अनुकरणीय, आकर्षक और जीवन्त बनाता है। कृष्ण की संस्कृति को निधि इसलिए कहा गया है कि इसके अन्तर्गत मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष की सुगन्ध है। दर्शन कला, साहित्य, लोक विश्वास आदि के साथ मानवीय जीवन-प द्धति के मूल मंत्र हैं कृष्ण। कृष्ण की इस वैभवशाली निधि का समग्र रूप से संकलन-संरक्षण और प्रकाशन ही हमारा ध्येय है।

संस्कृति के विस्तृत फलक पर प्रसारित इस श्रम एवं समयसाध्य कार्य हेतु कम से कम 05 वर्षों का समय प्रस्तावित है। उक्त अवधि के दौरान चरणब द्ध रूप से प्रतिवर्ष विषय सम्मत सामग्री का अभिलेखन करते हुए प्रकाशन किया जायेगा। इस हेतु देश के विभिन्न अंचलों से विषय केन्द्रित सामग्री के संकलन हेतु संगोष्ठी , व्याख्यान, संवाद एवं प्रदर्शनियों का आयोजन समय-समय पर किया जायेगा। उक्त माध्यमों से संकलित विविधतापरक संदर्भ विभिन्न शीर्षकों के क्रम में वर्गीकृत कर विषय केन्द्रित पक्षों का समग्र अभिलेखन कर योजना की कार्य प्रविधि का अपना वैशिष्टय है। इस हेतु ब्रज मण्डल के संस्कृति प्रेमी विज्ञजनों सहित देश-विदेश में श्रीकृष्ण संस्कृति पर कार्य कर रहे विज्ञजनों का सहयोग अपेक्षित है।